शेयरधारकों को अध्यक्षीय पत्र
CHAIRMAN'S LETTER TO THE SHAREHOLDERS

प्रिय शेयरधारको,

एसजेवीएन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में अपने शेयरधारकों को संबोधित करना मेरे लिए निश्चित रूप से एक अति गौरव और सम्मान का क्षण है। एकल परियोजना के निर्माण के लिए गठित एक विशेष उद्देश्य इकाई (स्पेशल पर्पस व्हीकल) से लेकर छः राज्यों और दो पड़ोसी देशों में विद्युत क्षेत्र के लगभग सभी रूपों में अपने पदचिन्ह छोड़ने वाली एक बड़ी विविधीकृत विद्युत कंपनी बनने की एसजेवीएन की 30 वर्षों की उन्नति की कहानी अति प्रेरणापूर्ण है। एसजेवीएन कभी भी अपनी पिछली उपलब्धियों से आत्मसंतुष्ट होकर नहीं बैठा और इसने एक के बाद एक बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि उत्कृष्टता के पथ पर सदैव अग्रसर रहना चाहिए और आपकी कंपनी सतत रूप से इस पथ पर अग्रसर है, जिसके परिणामस्वरूप हम हर बीतते क्षण के साथ अपने बड़े मुकामों के नजदीक पहुंचते जा रहे हैं। आपकी कंपनी की वित्तीय वर्ष 2017-18 की 30वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत हर्ष है। कंपनी का अंकेक्षित वित्तीय विवरण ऑडिटरों और निदेशकों की वर्ष 2017-18 की रिपोर्टों के साथ आपके अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है और इस अवसर पर मैं आपकी कंपनी की गत वर्ष भर की उपलब्धियां आपके साथ साझा करता हूं।

वर्ष 2017-18 की मुख्य उपलब्धियां

मुझे अपने शेयरधारकों को यह बताते हुए बहुत प्रसन्नता है कि पिछला साल कंपनी के इतिहास में प्रचालनात्मक मुहाने के साथ-साथ कारोबार विस्तार के मुहाने पर बेहद शानदार और सफल रहा है।

प्रचालनात्मक मुहाने की बात करें तो हमारे प्रचालनाधीन विद्युत स्टेशनों: नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन, रामपुर जलविद्युत स्टेशन, खिरवीरे पवन विद्युत स्टेशन और चरंका सौर विद्युत स्टेशन ने सर्वोत्तम रेटिंग के लिए 8950 मिलियन यूनिट के सम्मिलित लक्ष्य की तुलना में संचित रूप से 9280 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया है। हमारे सर्वोत्कृष्ट नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन ने एक के बाद एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का क्रम

Dear Shareholders,

To address my shareholders as the Chairman and Managing Director of SJVN is a moment of immense pride and honour for me. The thirty year growth story of SJVN, from it being a Special Purpose Vehicle (SPV) constituted for the execution of a single project into a diversified power major having presence in six states, two neighbouring countries and footprint in almost all spheres of power sector, is awe inspiring. SJVN has never sat complacent on it past laurels, but has beaten one milestone after another. I firmly believe that excellence is a constant pursuit and your company is constantly chasing it. As a result, we are moving closer to our milestones with each passing moment.

It gives me great pleasure to present the 30th Annual Report of your Company for the financial year 2017-18. The Audited Financial Statements of the Company along with the Reports of the Auditors and Directors for the year 2017-18 are presented for your approval and I take this opportunity to share the achievements of your company during the year gone by with you.

HIGHLIGHTS OF THE YEAR 2017-18

I am delighted to inform our Shareholders that, the past year has been one of the most eventful and momentous year in the history of the Company, both on the operational front and on the business expansion front.

On the operational front, our projects under operation: the Nathpa Jhakri HPS, Rampur HPS, Khirvire Wind Power Project and Charanka Solar Power Project, cumulatively generated 9280 MU of Power against the combined MoU target of 8950 MU for 'Excellent' rating and cumulative design energy of 8584 MU. NJHPS, our flagship project continued to hit one milestone after another by surpassing 1,00,000 MU of generation on

जारी रखते हुए 2 दिसंबर, 2017 को 1,00,000 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन का आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि हमारी प्रचालन एवं अनुरक्षण टीमों की सक्षमताओं और अथक प्रयासों की साक्षी है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति और उपलब्धि निरंतर सुदृढ़ बनी हुई है। प्रचालनगत राजस्व आय वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान 2230 करोड़ रुपए तथा कर उपरांत लाभ 1225 करोड़ रुपए रहा। फरवरी, 2018 माह में 1.90 रुपए प्रति शेयर की दर से अंतरिम लाभांश अदा किया गया। इसके अतिरिक्त आपके निदेशक मंडल ने प्रति शेयर 0.20 रुपए के अंतिम लाभांश की संस्तुति की है। इस प्रकार आपके अनुमोदनाधीन वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान कुल प्रति शेयर 2.10 रुपए (864.56 करोड़ रुपए) का लाभांश दिया जाना प्रस्तावित है। इसके अलावा आपकी कंपनी ने 38.75 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर प्रत्येक 10/- रुपए के 206831325 पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयरों (कंपनी की प्रदत्त शेयर पूंजी का 5%) शेयरों की वापिस खरीद की है। बायबैक को लेकर बाजार से काफी उत्साहजनक प्रत्युत्तर मिला और बायबैक के लिए प्रस्तुत किए गए शेयर इशू आकार से 1.6 गुने थे।

आपकी कंपनी को इसके अपवादात्मक प्रचालनात्मक, वित्तीय एवं सांगठनिक निष्पादनार्थ पिछले कई वर्षों से लगातार सर्वोत्कृष्ट/अति उत्कृष्ट आंका गया है। कंपनी की पताका ऊँची फहरा रही है और आगे भी ऐसे ही ऊँची फहराते रहेगी।

कारोबारी विस्तार के मुहाने पर भी पिछले साल का घटनाक्रम महत्वपूर्ण रहा है।

एसजेवीएन की 900 मेगावाट अरुण-3 जलविद्युत परियोजना (पूर्ण स्वामित्व वाली एसएपीडीसी के माध्यम से) किसी सरकारी या निजी भारतीय कंपनी द्वारा हाथ में ली गई पहली मेगा जलविद्युत परियोजना बन गई है जिसका निर्माण कार्य नेपाल में शुरू हुआ है। भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के माननीय प्रधानमंत्री श्री के.पी. शर्मा ओली ने संयुक्त रूप से 11 मई, 2018 को परियोजना की आधारशिला रखी। एसजेवीएन में हम सभी के लिए निश्चित रूप से यह एक गौरवपूर्ण क्षण था।

इस विशाल परियोजना के अलावा कई अन्य परियोजनाओं पर भी काम चल रहा है।

हमने उत्तराखंड में टौंस नदी पर स्थित 60 मेगावाट नैटवाड़ मोरी जलविद्युत परियोजना का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। माननीय केन्द्रीय विद्युत तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री आर.के.सिंह और उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने 30 मार्च, 2018 को परियोजना की संयुक्त रूप से आधारशिला रखी।

एक बार फिर एसजेवीएन पर गहन विश्वास दर्शाते हुए हि.प्र. सरकार ने सभी तीन चरणों/परियोजनाओं: लूहरी एचईपी चरण-1-210 मेगावाट, लूहरी एचईपी चरण-II-163 मेगावाट तथा सुन्नी डैम एचईपी-373 मेगावाट को "स्टैंड एलोन बेसिस" पर एसजेवीएन को 29.08.17 को पुनः आबंटित किया है।

इस घटनाक्रम का आपकी कंपनी के साथ-साथ समूचे विद्युत क्षेत्र पर अति सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। पिछले कई दशकों से विद्युत क्षेत्र की बढ़ोत्तरी काफी धीमी रही है। जलविद्युत क्षेत्र की प्रगति समूचे विद्युत क्षेत्र की प्रगति से कम रही है और यहां तक की ताप विद्युत क्षेत्र की बढ़ोत्तरी से तो काफी कम रही है। यदि हम पिछले दो वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो पाएंगे कि वर्ष 2016-17 के दौरान जलविद्युत उत्पादन तय लक्ष्य की तुलना में 8.5% कम रहा और तदुपरांत 2017-18 में इसमें 3% से अधिक की थोड़ी बढ़ोत्तरी हुई। मेरा यह कहना वाजिब होगा कि लंबे समय की धीमी रफ्तार के बाद जलविद्युत क्षेत्र में अंततः वृद्धि की राह पकड़ ली है। इसमें काबिले गौर बात यह है कि आपकी कंपनी की इस बहाली में अग्रगामी भूमिका रही है। इस बात को लेकर मुझे खुशी है कि मेरी टीम ने कड़ा परिश्रम किया है और एसजेवीएन को एक ऐसा ब्रांड बनाने के लिए लगातार अथक प्रयास कर रही है जो कृतसंकलपता और गुणवत्ता का द्योतक है। यह भी हमारे लिए एक अति सम्मान की बात है कि संबंधित सरकारों ने सदैव एसजेवीएन में अपना विश्वास जताया है और इन प्रतिष्ठित परियोजनाओं के निर्माण के लिए विद्युत क्षेत्र में उपस्थित कई कंपनियों में से हमारा चयन किया है।

2nd December 2017. The achievement bears testimony to the competency and unrelenting efforts of our operations and maintenance teams.

The financial position and performance of the Company continue to remain robust. During FY 2017-18, Revenue from operations stood at ₹2230 crores and Profit After Tax at ₹1225 crores. An interim dividend of ₹1.90 per share was paid in the month of February 2018. In addition, your Board has recommended a final dividend of ₹0.20 per share. Thus, subject to your approval, a total dividend of ₹2.10 per share (₹864.56 crore) is proposed to be paid for FY 2017-18.

Further, your Company also bought back 20,68,31,325 fully paid up equity shares of ₹10/- each (representing 5% of paid-up share capital of the Company) at a price of ₹38.75 per equity share. The Buyback issue received an overwhelming response from the market and shares tendered for buyback were 1.6 times the issue size.

For its exceptional operational, financial and organizational performance, your company has consistently been rated 'Excellent/ Very Good' for last many years. The banner has been flying high and will continue to do so.

On the business expansion front as well, there have been some noteworthy developments in the past year.

The 900 MW Arun-3 Hydro Electric Project of SJVN (through wholly owned subsidiary SAPDC) became the first mega hydropower project undertaken by any Indian company (Govt. or Private) to commence construction in Nepal. The foundation stone of the project was jointly laid on 11th May 2018 by Hon'ble Prime Minister of India, Shri Narendra Modi and Hon'ble Prime Minister of Nepal, Shri K.P. Sharma Oli. It was indeed a proud moment for all of us associated with SJVN.

Apart from this gigantic undertaking, several other projects are also on the horizon.

We have begun construction of the 60 MW Naitwar Mori Hydro Electric Project located on River Tons in Uttarakhand. The foundation stone was jointly laid on 30th March 2018 by Hon'ble Union Minister of State for Power and New & Renewable Energy (Independent Charge), Shri R.K. Singh and Hon'ble Chief Minister of Uttarakhand, Sh. Trivender Singh Rawat.

Exhibiting deep faith in SJVN yet again, the Government of Himachal Pradesh has reallocated all three stages/projects: Luhri HEP Stage-I – 210 MW, Luhri HEP Stage-II – 163MW and Sunni Dam HEP – 373 MW; on "Stand Alone Basis" to SJVN on 29.08.2017.

These developments have had a huge impact, on your company as well as on the entire Power Sector. For the past several decades, hydro power segment had suffered rather retarded growth. The segment had failed to keep pace with the overall growth rate of power sector and more so with the growth rate of the thermal power segment. If we look at the figures of the past two years, there was an 8.5% slack in hydro power generation (against the set target) in the year 2016-17, followed by a marginal revival in generation with a growth of over 3% in 2017-18. I think it would be appropriate to say that after a long phase of sluggishness, Hydro Power Sector has finally started picking up. What is more important is that your company is spear heading this wave of revival. I am glad that my team has worked hard and continues to work diligently to build brand SJVN that is synonymous with commitment and quality. It is also a matter of great honour for me that the respective Governments have, as always exhibited their faith in us, chosen us from amongst numerous market players for execution of these prestigious projects.

कंपनी के अध्यक्ष के रूप में अपने शेयरधारकों को मैं इस बात को लेकर आश्वस्त करना चाहूंगा कि समय और गुणवत्ता से निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए आपकी कंपनी का प्रबंधन और कर्मचारी कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे।

वर्ष 2018-19 की मुख्य उपलब्धियां

आपकी कंपनी का प्रबंधन और कर्मचारी हर बीतते दिन के साथ अपने मुख्य लक्ष्यों के करीब आते जा रहे हैं। बीती तिमाही में (30 जून, 2018 को खत्म वित्तीय साल 2018-19 की पहली तिमाही) सर्वोत्तम रेटिंग के लिए 9200 मिलियन यूनिट के सालाना लक्ष्य की तुलना में 2404.49 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया जा चुका है जिसमें से एनजेएचपीएस ने 1859.75 मिलियन यूनिट, आरएचपीएस ने 519.33 मिलियन यूनिट, खिरवीरे पवन विद्युत स्टेशन ने 20.07 मिलियन यूनिट जबकि चरंका सौर विद्युत स्टेशन और सादला पवन विद्युत परियोजना ने क्रमशः 1.53 मिलियन यूनिट और 3.81 मिलियन यूनिट का उत्पादन किया है।

एसजेवीएन का उत्तरवर्ती तिमाहियों में यह लक्ष्य रहेगा कि विद्युत मंत्रालय के साथ हस्ताक्षरित एमओयू के अनुसार 9200 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन के निर्धारित लक्ष्य को पूरा किया जाए। बिजली की बिक्री से होने वाली आय को लेकर भी हमारी योजना है कि विद्युत मंत्रालय द्वारा निर्धारित 2175 करोड़ रुपए के लक्ष्य से बेहतर निष्पादन किया जाए।

अरुण-3 जलविद्युत परियोजना को भारत सरकार, नेपाल सरकार और हम भी अति उच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। हमारी टीम प्रगतिपरक मुख्य लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है ताकि समय पर नहीं बल्कि समय से पहले ही लक्ष्य पूरे कर लिए जाएं। इन कोशिशों के नतीजन नेपाल में अरुण-3 जलविद्युत परियोजना से संबद्ध पारेषण प्रणाली के लिए परियोजना प्रबंधन परामर्श सेवाओं के लिए संविदा अनुबंध पर एसएपीडीसी एवं पीजीसीआईएल के बीच पहले ही हस्ताक्षर हो चुके हैं।

अपनी नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता में बढ़ोत्तरी के लिए हम लगातार समानान्तर रूप से प्रयासरत हैं। रामपुर जलविद्युत स्टेशन में बीवीएच की छत पर 40 किलो वाट का सौर विद्युत संयंत्र संस्थापित करके 30.04.2018 को सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया है। नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन ने अपने सर्जशाफ्ट में मौजूदा 200 किलो वाट सौर संयंत्र की क्षमता में 70 किलो वाट की वृद्धि करने का कार्य भी पूरा कर लिया है। इसके अलावा कारपोरेट कार्यालय परिसर शिमला में 50 किलो वाट सौर संयंत्र भी चालू कर दिया है।

विस्तृत आर्थिक परिदृश्य और सरकारी नीति

भारत का विद्युत क्षेत्र निरंतर बिजली और गुणवत्ता की कमी से ग्रसित रहा तथा पिछले 4 वर्षों के दौरान घरों और फैक्टरियों को सतत विद्युत आपूर्ति की स्थिति में अभूतपूर्व बदलाव आया है। भारतीय आर्थिक तंत्र गति पकड़ने लगा है और भारत को विश्व की सर्वाधिक तेज गति से उन्नति करने वाला आर्थिक तंत्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आज देश विद्युत उपलब्धता को लेकर इतनी अच्छी स्थिति में है कि जहां राज्यों और विद्युत वितरण कंपनियों को दिन के किसी भी समय और वह भी विद्युत एक्सचेंजों में किफायती दरों पर लगभग 3000-4000 मेगावाट अधिशेष विद्युत उपलब्ध है। भारत की अखिल भारतीय विद्युत उत्पादन क्षमता 31.03.2018 को 344002 मेगावाट थी जो 45293 मेगावाट जलविद्युत, 222907 मेगावाट ताप, 6780 मेगावाट आणविक और 69022 मेगावाट नवीकरणीय से युक्त थी। इसके अलावा भारतीय विद्युत पारिस्थितिकीय तंत्र में ऐसे कई अंतर्निहित कारक हैं जो विद्युत क्षेत्र की कंपनी को भविष्य में पर्याप्त अवसर यकीनी बनाएंगे। बढ़ते शहरीकरण की दर, अवसंरचनात्मक विकास पर ज्यादा जोर और प्रति व्यक्ति बिजली की बढ़ती खपत से देश में बिजली की मांग बढ़ती जाएगी। इन हालातों को प्रायः विद्युत क्षेत्र के लिए एक चुनौती के रूप में देखा जाता है। यद्यपि मेरा यह दृढ़ विश्वास है कि हर चुनौती में एक अवसर छिपा होता है। वर्तमान सरकार द्वारा विद्युत एवं अवसंरचनात्मक विकास पर जोर दिए जाने से मेरा यह यकीन और पुख्ता होता है। यह पिछले कुछ वर्षों में देश में दृष्टिगोचर हुए कई नीतिगत पहलों से स्पष्ट हो जाता है।

As the Chairman of the Company, I would like to assure our Shareholders that your Company's Management and Employees will not spare any efforts to deliver within time and quality.

HIGHLIGHTS OF THE YEAR 2018-19

Your company's Management and employees are moving closer to their milestones with each passing day. In the quarter gone by (first quarter of the Financial Year 2018-19, ended 30th June 2018), against the annual target of 9200 MU for excellent rating, 2404.49 MU of power has already been generated. Out of this, NJHPS generated 1859.75 MUs, RHPS generated 519.33 MU, Khirvire Wind Power Station contributed 20.07 MU while Charanka Solar Power Station and Sadla Wind Power Project generated 1.53 MU and 3.81 MU respectively.

In the subsequent quarters, SJVN aims to achieve the assigned target of 9200 MUs of generation, as per the MoU signed with the Ministry of Power. Even in terms of revenue realization from sale of energy, we plan to beat the target of ₹2175 crores.

The Arun-3 Hydro Power Project is on the high priority list of Government of India, Government of Nepal and for us as well. The team is leaving no stone unturned to achieve the progress milestones so as to achieve not on-time but ahead-of-time completion of generation and transmission components. As a result of these efforts, all four packages of generation component have been awarded and the contract agreement for 'Project Management Consultancy Services for Transmission System associated with Arun-3 Hydro Power Project in Nepal' has already been signed between SAPDC & PGCIL.

Parallelly, we are in continuous pursuit of enhancing our renewable quotient. The 40kW solar power plant on roof top of BVH in Rampur HPS has been installed and commissioned successfully on 30.04.2018. NJHPS has also completed the addition of 70kW capacity to the existing 200kW solar plant at its Surge shaft. In addition, 50kW solar plant has also been commissioned in Corporate Office Complex, Shimla.

MACRO ECONOMIC SCENARIO AND GOVERNMENT POLICY

India's power sector that was marred by continuous shortages and lack of quality and steady supplies to homes and factories has seen an unprecedented turnaround in the past four years. The wheels of growth of the Indian economy have started rolling and are picking up pace to make India one of the fastest growing economies in the World. Today, the country boasts of a situation, where surplus power of about 3000-4000 MW is available to States and distribution companies on real time basis at any time of the day and that too at affordable rates on the power exchange. The all India installed power generation capacity stood at 3,44,002 MW as on 31.03.2018 comprising 2,22,907 MW from Thermal, 45,293 MW from Hydro, 6,780 MW from Nuclear and 69,022 MW from Renewables. Further, there are several factors inherent in the Indian Power Ecosystem that will ensure ample opportunities for power sector utilities in the future. Growing rate of urbanization, increased focus on infrastructure development and rising per capita energy consumption will all cause the nation's energy demand to rise. These circumstances are often viewed as a challenge for the power sector. However, I strongly believe that in every challenge, lays an inherent opportunity. What further consolidates my belief in the present Government's focus on Power and Infrastructure development. This is evident from so many policy interventions that the country has been witness to, in the recent past.

विद्युत उत्पादन, पारेषण या वितरण विद्युत क्षेत्र के सभी पक्षों में सुधार हुए है। क्षमतागत बड़ी बढोत्तरियों के अलावा अन्य कई पहलें की गई हैः जैसे ऊर्जा एप, सौभाग्य पोर्टल, राष्ट्रीय विद्युत पोर्टल, मेरिट पोर्टल इत्यादि जैसी मोबाईल एप्लीकेशनों और वेबसाईटों की शुरूआत हुई है जिसके परिणामस्वरूप जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ी है। नवीकरणीय विद्युत क्षमता को बढ़ाने के लिए हाल ही में बड़े नीतिपरक कदम जैसे आरपीओ (नवीकरणीय खरीद बाध्यता) उठाए गए हैं। अच्छा होगा यदि जलविद्युत क्षेत्र को भी ऐसे ही प्रोत्साहन दिए जाएं।

इसके अलावा सरकार सन 2022 तक 175 जीडब्ल्यू की स्थापित नवीकरणीय विद्युत क्षमता हासिल करने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। भारत ने पवन तथा सौर विद्युत स्थापित क्षमता के लिहाज से विश्व में क्रमशः चौथा एवं 6वां स्थान ग्रहण कर लिया है। देश में जून, 2018 तक कुल 69 जीडब्ल्यू नवीकरणीय विद्युत क्षमता स्थापित कर ली गई है। पारदर्शी बिडिंग और सुगमीकरण के जरिए सर्वकालीक न्यूनत्तम टैरिफ (सौर विद्युत के लिए 2.44 रुपए प्रति यूनिट और पवन विद्युत के लिए 2.64 रुपए प्रति यूनिट) प्राप्त किया गया है। इसके अलावा सरकार ने अगले 3 वर्षों में 100 जीडब्ल्यू सौर विद्युत क्षमता और 60 जीडब्ल्यू पवन विद्युत क्षमता के लिए बिडिंग आमंत्रित करने का एक महत्वाकांक्षी खाका तैयार किया है।

हालांकि, मैं यह भी जरूरी कहना चाहूंगा कि इसमें एक जोखिम भी छिपा हआ है जो नवीकरणीय विद्युत क्षेत्र में देखी गई भारी उन्नति को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। पवन तथा सौर विद्युत के असामान्य रूप से कम टैरिफों के साथ गलाकाट प्रतिस्पर्धा ने हमें एक ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है जहां ईमानदार विद्युत उत्पादकों खासकर सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ने लगा है। इससे विखराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। विद्युत क्षेत्र की सतत एवं सुसंगत उन्नति के लिए यह जरूरी है कि कीमत की प्रतिस्पर्धा इतने निचले स्तर पर न चली जाए कि परियोजनाओं की वित्तीय व्यवहार्यता अथवा गुणवत्ता पर ही संकट आ जाए। विद्युत बाजार की मजबूती और उचित प्रतिस्पर्धा के लिए बहुआयामी विद्युत उत्पादकों की उपस्थिति और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की प्रतिभागिता जरूरी है और इस बात की जरूरत है कि सरकार इस तरफ ध्यान दे।

भविष्योन्मुखी कारोबारी रणनीति

हम अपनी ताकत यानि जलविद्युत पर प्राथमिकतः उन स्थानों पर जहां पहले से हमारी मौजूदगी है, पर ध्यान केन्द्रित करना जारी रखेंगे। नेपाल में अरुण-3 जलविद्युत परियोजना तथा उत्तराखंड में नैटवाड़ मोरी जलविद्युत परियोजना के सभी मुख्य संकार्य अवार्ड कर दिए जाने के साथ ही उन्नति के अगले चरण का श्री गणेश हो चुका है। हम बक्सर ताप विद्युत परियोजना का निर्माण शीघ्रतम शुरू करने के लिए भी कृतसंकल्प हैं।

इस साल लूहरी चरण-1, सुन्नी डैम, देवसारी जलविद्युत परियोजना और जाखोल सांकरी जलविद्युत परियोजनाओं के लिए जरूरी मंजूरियां हासिल करना लक्षित है। यह निश्चित रूप से स्वागत योग्य है कि रॉयल्टी के रूप में राज्य को प्रदत्तनीय निःशुल्क बिजली को घटाने के लिए हि.प्र. सरकार अपनी विद्युत नीति में छूट देने पर विचार कर रही है इससे धौलासिद्ध जलविद्युत परियोजना को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने और इस परियोजना का निर्माण कर सकने में काफी मदद मिलेगी।

नवीकरणीय विद्युत क्षेत्र में हम छोटे-छोटे कदम उठा रहे हैं और जैसे-जैसे हम अनुभव अर्जित करते जाएंगे हम इन प्रचालनों को बढ़ाते जाएंगे। आपकी कंपनी नवीकरणीय विद्युत क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए अन्य सीपीएसई/स्थापित कंपनियों के साथ रणनीतिक सहभागिता स्थापित करने की कोशिशें करेगी। सादला पवन विद्युत परियोजना भी चालू किए जाने के कगार पर है।

निर्माणाधीन परियोजनाओं की स्थिति पर निदेशकों की रिपोर्ट में पर्याप्त प्रकाश डाला गया है और इस प्रकार में सिर्फ यह उल्लेख करना चाहूंगा कि 1990.6 मेगावाट की सम्मिलित स्थापित क्षमता से युक्त प्रचालनाधीन संयंत्रों के अलावा अन्य परियोजनाओं नामतः हिमाचल प्रदेश में लूहरी (चरण-I एवं चरण-II), सुन्नी बांध एवं धौलासिद्ध परियोजनाएं; उत्तराखंड में देवसारी,

There have been reforms in all facets of Power Sector, be it generation, transmission or distribution. Apart from big capacity additions, there have been several initiatives : such as launch of mobile applications and websites like URJA app, SAUBHAGYA portal, National Power Portal, MERIT portal etc., that have led to increased accountability and transparency. Recently, there have been major policy interventions such as RPO (Renewable Purchase Obligation) to boost renewable power capacity. It would be great if the same treatment could be meted out to the Hydro Power segment as well.

Further, the Government is on its way to achieving 175 GW target for installed Renewable Energy capacity by 2022. India has attained 4th and 6th global position in Wind and Solar Power installed capacity. As of June 2018, a total of 69 GW of Renewable Power has been installed in the country. All time low tariffs for Solar (₹2.44/ unit) and Wind (₹2.64/ unit) have already been achieved through transparent bidding and facilitation. In addition, the Government has also laid down an ambitious bidding trajectory for 100 GW capacity of Solar Energy and 60 GW capacity of Wind over the next 3 years.

However, I must also mention that there exists a covert risk which is capable of impeding the explosive growth witnessed in the renewables sector. The cut-throat competition along with abysmally low tariffs of Wind and Solar Power have brought us to a point where it has started hurting the genuine players especially PSUs. This could result in an implosion. For consistent and coherent growth of the sector, it is vital that price competition does not sink to a level where financial viability or quality of the projects is threatened. Presence of multiple players and participation of Public Sector Companies is vital for development of healthy markets and fair competition and hence this issue needs to be suitably addressed by the Government.

FUTURE BUSINESS STRATEGY

We shall continue to focus on our strength i.e. hydropower, preferably in locations where we already have presence. The next phase of growth has already begun for the Company with the award of all major works of Arun-3 HEP in Nepal and Naitwar Mori HEP in Uttarakhand. We are also committed to commence the execution of Buxar Thermal Power Project at the earliest.

Obtaining necessary approvals for Luhri Stage I, Sunni Dam, Devsari HEP and Jakhol Sankri HEP in this year is targeted. It is heartening to note that Government of Himachal Pradesh is considering the relaxation of its Power Policy to reduce the free power to be provided to the State as royalty. This would go a long way in making Dhaulasidh HEP economically viable and enable construction of this Project.

In the field of renewable energy, we are taking small steps, and as we gain expertise, we will scale up operations. Your Company shall be looking forth for strategic partnerships with other CPSEs/ established players for expanding presence in the Renewable Sector. Commissioning of Sadla Wind Power Project is also on the anvil.

The Status of Operational Plants and other ongoing Projects has been amply covered in the Directors' Report and hence, I would only like to mention that in addition to the Operational Plants having combined installed capacity of 1990.6 MW, the other projects, namely, Luhri (Stage I & II), Sunni Dam & Dhaulasidh in

नैटवार मोरी एवं जाखोल सांकरी परियोजनाएं; नेपाल में अरुण-III; भूटान में खोलोंग्चू; बिहार में बक्सर ताप विद्युत संयंत्र; गुजरात में सौर एवं पवन विद्युत परियोजनाएं (कुल क्षमता 4000 मेगावाट से अधिक) निर्माण की विभिन्न अवस्थाओं में हैं।

कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

आपकी कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 तथा कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सततशीलता-2014 संबंधी डीपीई मार्ग-निर्देशों के अनुसार एक सुविचारित कारपोरेट सामाजिक दायित्व एवं सततशीलता नीति रचित एवं क्रियान्वित की है। कारपोरेट सामाजिक नीतिगत विवरण में अपने हितधारकों के हितों का समावेश किया है और अपनी कारोबारी गतिविधियों में कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सततशीलता के बढ़िया मानदंड कायम रखने की कोशिशें की हैं। इस संकल्प को पूरा करने के लिए एसजेवीएन लागू कानून, स्थानीय समुदायों और मुख्यत: समाजों का सम्मान करेगा तथा अपने कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सततशीलता कार्यक्रमों के जरिए जीवन की गुणवत्ता के साथ-साथ पर्यावरणीय सततशीलता के उन्नयनार्थ जागरूक कोशिशें करेगा। आपकी कंपनी ने अपनी सक्रियतापूर्ण कार्यक्रमों के जरिए समाज में एक बड़ा परिवर्तन लाया है।

यह बताते हुए मुझे बहुत संतोष अनुभव हो रहा है कि आपकी कंपनी की सीएसआर के क्षेत्र में पहलें समय की कसौटी पर खरी उतरी हैं और इनकी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भरपूर प्रशंसा हुई है।

नैगम अभिशासन

एक सूचीबद्ध कंपनी के रूप में आपकी कंपनी सेबी एलओडीआर विनियमों के तहत नैगम अभिशासन की आवश्यकताओं तथा सार्वजनिक उद्योग विभाग, भारत सरकार द्वारा इस संबंध में जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन कर रही है। आपकी कंपनी ने सार्वजनिक उद्योग विभाग द्वारा निर्धारित नैगम अभिशासन ग्रेडिंग प्रणाली के तहत कारपोरेट गवर्नेंस संबंधी सार्वजनिक उद्योग विभाग के दिशा-निर्देशों का अनुपालन करने पर गत सात साल से लगातार ''सर्वोत्तम'' रेटिंग प्राप्त की है।

आभार

इस मौके पर मैं भारत सरकार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, महाराष्ट्र एवं गुजरात की राज्य सरकारों, नेपाल एवं भूटान सरकारों, अन्य सरकारी एवं गैर-सरकारी एजेंसियों, सांविधिक, लागत, अनुसचिवीय एवं आंतरिक ऑडिटरों, कंपनी को समर्थन प्रदान करने वाले हमारे ग्राहकों एवं कारोबारी सहयोगियों, कंपनी की मदद करने वाले कारोबारी सहयोगियों, सतत सहयोगकर्त्ता विभिन्न वित्तीय संस्थानों एवं बैंकरों और सबसे बढ़कर सभी शेयरधारकों, निवेशकों और हिस्सेदारों का कंपनी की सतत उन्नति और प्रबंधन के प्रति सदा यकीन कायम रखने के प्रति हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

मैं बोर्ड में अपने आदरणीय साथियों का उनके द्वारा दिए गए बहुमूल्य सहयोग और मार्गदर्शन के लिए तथा उन परिश्रमी एवं समर्पित कर्मचारियों की मेरी टीम, जिन्होंने हमें सभी विशिष्ट लक्ष्यों को प्राप्त करने के काबिल बनाया, का और सभी का जिन्होंने मुझमें यकीन किया और इस शानदार कंपनी का संचालन करने का मौका दिया, अपना धन्यवाद एवं प्रशंसा अभिव्यक्त करता हूं।

धन्यवाद।

भवदीय,

(नन्द लाल शर्मा)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन:03495554

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 3 अगस्त, 2018

Himachal Pradesh; Devsari, Naitwar Mori & Jakhol Sankri projects in Uttarakhand; Arun-3 in Nepal; Kholongchhu project in Bhutan; Buxar Thermal Power Project in Bihar; Solar & Wind Projects in Gujarat; total up to more than 4000 MW of capacity, are at different stages of construction and development.

CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY

Your company has formulated and adopted a well perceived Corporate Social Responsibility and Sustainability Policy which is in consonance with the Companies Act, 2013 and the DPE Guidelines on CSR & Sustainability-2014. The CSR Policy Statement embeds the concerns of its stakeholders and strives to maintain a good standard of CSR and Sustainability in its business activities. To meet this commitment, SJVN will respect the rule of law, local communities and societies at large, and will make conscious efforts to enhance the quality of life as well as environmental sustainability through its CSR and Sustainability programs. Through its proactive programs, your company has brought about a visible change in the society.

It gives me great satisfaction to share that CSR initiatives of your company have stood the test of time and have been widely acclaimed at various national and international forums.

CORPORATE GOVERNANCE

As a listed company, SJVN has been complying with the requirements of Corporate Governance under the SEBI (LODR) Regulations and also Guidelines issued by Department of Public Enterprises, Government of India. In this regard, your company has been constantly achieving "Excellent" rating (since the past seven years) for compliance with 'DPE Guidelines on Corporate Governance' under the 'Corporate Governance Grading System' prescribed by DPE.

ACKNOWLEDGMENT

I take this opportunity to express my sincere gratitude for the continued and immense support and co-operation received from the Government of India, State Governments of Himachal Pradesh, Uttarakhand, Bihar, Maharashtra and Gujarat, the Governments of Nepal and Bhutan, other Governmental and Non-Governmental agencies; Statutory, Cost, Secretarial and Internal Auditors; our Customers; Business associates who have supported the Company; various Financial Institutions & Bankers and Regulatory authorities. Above all, I acknowledge the unstinted support received from the Shareholders, Investors and Partners in the growth of the Company and thank them for their continued confidence and trust in the Management.

I also convey my thanks and appreciation to my esteemed colleagues on the Board for their valuable support and guidance, to my team of dedicated and hardworking employees for reposing their faith in me and granting me the opportunity to steer this wonderful institution.

Thanking you,

Yours Sincerely

(Nand Lal Sharma)
Chairman & Managing Director
DIN: 03495554

Place: New Delhi
Date: 3rd August 2018